



Vinita

12 Feb 1989

Model: Numerology-Report

Order No: 121603901

अंक ज्योतिष फल

Model: Numerology-Report

Order No: 121603901

Date: 16/03/2026

नाम	Vinita
जन्म तिथि	12/02/1989
मूलांक	3
भाग्यांक	5
नामांक	9
मूलांक स्वामी	गुरु
भाग्यांक स्वामी	बुध
नामांक स्वामी	मंगल
मित्र अंक	6, 9, 5
शत्रु अंक	4, 8
सम अंक	1, 2, 7
मुख्य वर्ष	2001,2010,2019,2028,2037,2046,2055,2064
शुभ आयु	12,21,30,39,48,57,66,75
शुभ वार	मंगल, शुक्र, गुरु
शुभ मास	मार्च, जन, सित
शुभ तारीख	3, 12, 21, 30
शुभ रत्न	पुखराज
शुभ उपरत्न	सुनहला, पीला हकीक
अनुकूल देव	विष्णु
शुभ धातु	स्वर्ण
शुभ रंग	पीत
मंत्र	ॐ क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः
शुभ यंत्र	मंगल यंत्र

8	3	10
9	7	5
4	11	6

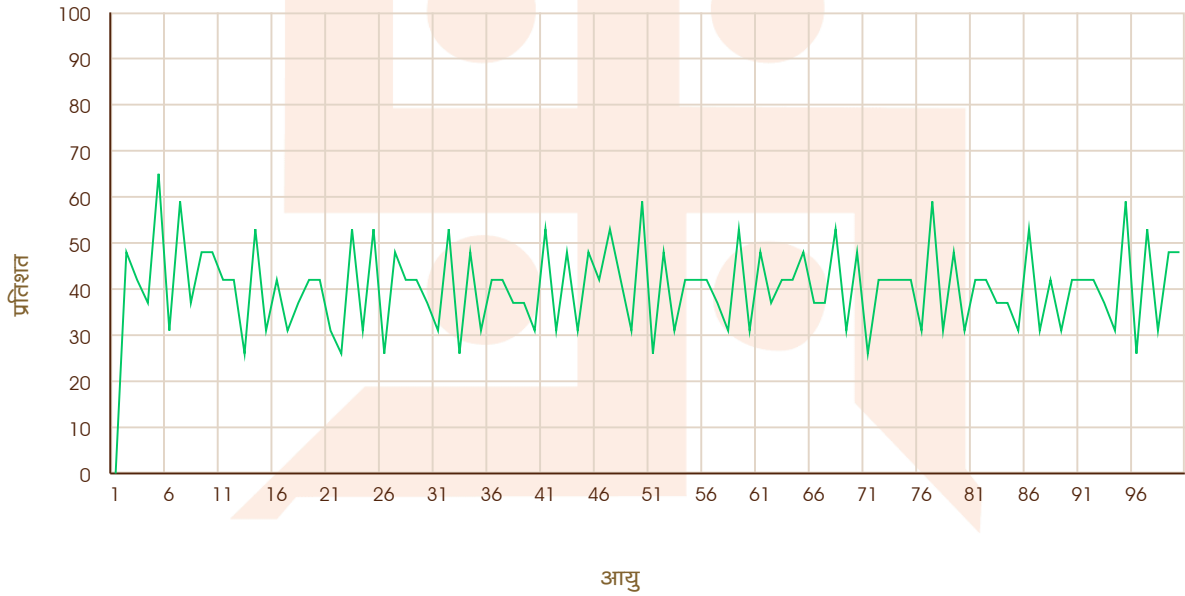
Ankijotish Insights

Hyderabad Telangana India

7995233535

अंक जीवन ग्राफ

आपका मूलांक एवं भाग्यांक वर्ष के अंकों से एवं आयु के अंको से जो संबंध बनाते हैं वे एक ग्राफ के रूप में नीचे दिए गए हैं। इस ग्राफ द्वारा आप यह साफ साफ जान सकते हैं कि कौन सा आयु का वर्ष आपके लिए लाभकारी हो सकता है या कौन सा वर्ष अनिष्टकारी हो सकता है। इस ग्राफ को बनाने के लिए मूलांक एवं भाग्यांक के आयु वर्ष एवं उनके अलग अलग अंकों से संबंध को लिया गया है। यदि ग्राफ में 60 से ऊपर नंबर आ रहे हैं तो वह वर्ष आपके लिए महत्वपूर्ण हो सकता है एवं जिसे 40 से कम नंबर प्राप्त हुए हैं वह वर्ष आपको कुछ कष्टदायक हो सकता है।



मुख्य वर्ष 2001,2010,2019,2028,2037,2046,2055,2064

शुभ आयु 12,21,30,39,48,57,66,75

अंक ज्योतिष फल

आपका जन्म दिनांक 12 है। एक एवं दो के जोड़ से तीन आपका मूलांक होता है। एक का स्वामी सूर्य दो का चन्द्र तथा तीन का गुरु है। मुख्य प्रभाव मूलांक तीन के स्वामी गुरु का आपके जीवन पर पड़ेगा। थोड़ा-बहुत प्रभाव सूर्य एवं चन्द्र का रहेगा। इन सभी ग्रहों के सम्मिलित प्रभाववश आप एक बुद्धिशील, विद्वान महिला होंगी। सूर्य प्रभाव से दृढ़शीलता, प्रखरता आयेगी। चन्द्र प्रभाव मानसिक कल्पना शीलता में वृद्धि करेगा एवं गुरु प्रभाव से आध्यात्मिकता, विद्या, लेखन-पठन के गुण आपके अन्दर आयेंगे।

आप अपने जीवन में एक सन्तुलित महिला होंगी एवं ऐसे ही कार्यों को करना पसन्द करेंगी, जिनमें मेहनत, ईमानदारी से लाभ हो। आपके इस गुण का विरोधी फायदा उठायेंगे और ईर्ष्यावश आपको प्रताड़ित करने की कोशिश करेंगे। लेकिन आप अपने दृढ़शीलता के व्यवहार से परास्त करने में सक्षम रहेंगी।

आपको ऐसे कार्यों में लाभ रहेगा, जहाँ बुद्धि का प्रयोग अधिक होता है। ज्ञान-विज्ञान इत्यादि के क्षेत्रों में भी आपकी रुचि रहेगी एवं भाषण, लेखन, वक्तव्य कला आदि में निपुण रहेंगी। बचपन एवं जवानी की अपेक्षा वृद्धावस्था में आपके ज्ञान का लाभ दूसरों को प्राप्त होगा।

भाग्यांक पाँच का स्वामी बुध ग्रह होने से आपका भाग्योदय स्व-बुद्धि विवेक द्वारा होगा। बुध वाणिज्य, व्यावसायिक कला का दाता है। गणित, लेखन, शिल्प, चिकित्सा, लेखा कार्यों में अच्छी प्रगति प्रदान करेगा। आपके अन्दर व्यापारिक कला अच्छी विकसित होगी। वाक् पटुता, तर्कशक्ति, बहुत बोलने की आदत रहेगी। आप रोजगार के क्षेत्र में नित नई स्कीम बनायेंगी जो आपकी तरक्की का मार्ग प्रशस्त करेंगी। वाणिज्य कला में आप काफी निपुण रहेंगी एवं रोजमर्रा के कार्यों को फूर्ती से पूर्ण करेंगी। दूसरों से कार्य निकलवाने में आप निपुण रहेंगी।

आपकी व्यावसायिक बुद्धि होने से धन संग्रह की ओर आप अधिक आकृष्ट रहेंगी एवं आवश्यकतानुसार वक्त-वे-वक्त के लिए धन एकत्रित करेंगी। आर्थिक क्षेत्र में आपकी स्थिति मध्यमोत्तम श्रेणी की रहेगी। कानून का आपको ठीक ज्ञान रहने से आप कार्यक्षेत्र में सभी कार्यों को बखूबी निभायेंगी तथा सामने वाले आपके ज्ञान के आगे नत-मस्तक होंगे।

आपका मूलांक 3 तथा आपका भाग्यांक 5 है। मूलांक 3 का स्वामी गुरु तथा भाग्यांक 5 का स्वामी बुध है तथा मूलांक 3 और भाग्यांक 5 के बीच सम संबंध है। गुरु-बुध के प्रभाववश आप एक विद्वान महिला के रूप में अपनी पहचान स्थापित करेंगी एवं ऐसे ही रोजगार-व्यवसाय का चुनाव करेंगी, जिसमें बुद्धि एवं विवेक का प्रयोग अधिक होता हो। आप व्यापारिक कला में निपुण रहेंगी एवं स्वयं की बनायी हुई योजना के द्वारा अपना भाग्योदय प्राप्त करेंगी। ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में आपकी गहरी रुचि रहेगी तथा आप अपने प्रत्येक कार्य को कुशलतापूर्वक अंजाम देंगी। रोजगार-व्यापार के क्षेत्र में आप धन संग्रह की ओर विशेष ध्यान देंगी तथा भौतिक सुख-साधन अच्छी मात्रा में एकत्रित करेंगी। आपकी मानसिक स्थिति धार्मिक

रहेगी तथा आप यथार्थवादी विचारधारा पर निरंतर चलती रहेंगी। आपकी सामाजिक स्थिति उच्च कोटि की रहेगी और आप एक विनयी, बौद्धिक महिला के रूप में अपनी पहचान स्थापित करेंगी। आप अपने जीवन में एक सफल महिला के रूप में जानी जाएंगी तथा प्रचुर मात्रा में भौतिक धन संपदा, भूमि, वाहन इत्यादि का संग्रह करेंगी।

आपका भाग्योदय 23 वर्ष की अवस्था से प्रारंभ होगा। 32 वें वर्ष पर विशेष उन्नति प्राप्त होगी तथा 41 वें वर्ष की अवस्था पर पूर्ण भाग्योदय होगा।

आपके मूलांक 3 की मित्रता 6 एवं 9 से है तथा भाग्यांक 5 की मित्रता 3 एवं 9 से है अतः आपके जीवन में 3, 5, 6, 9 के अंक विशेष महत्वपूर्ण रहेंगे। इनसे आपके जीवन में कुछ विशेष घटनाएं घटित होंगी।

आपके मूलांक का आपके भाग्यांक से सम संबंध होने से मूलांक-भाग्यांक के प्रभाव न्यूनाधिक मात्रा में आपके अनुरूप जाएंगे। आपके जीवन की प्रमुख घटनाएं इन्हीं अंकों की तारीखों मास, ईस्वी सन् या आयु के वर्षों में घटित होंगी। जब कभी इन्हीं अंकों की तारीख, मास वर्ष के साथ आपके लिए निर्धारित शुभ वार का भी मेल होता हो, तो ऐसा दिन आपके लिए विशेष फलदायी तथा किसी भी कार्य को प्रारंभ करने, पत्र लेखन या उच्च अधिकारी/व्यक्ति से मिलने हेतु अधिक उपयुक्त रहेगा। आप अपने विगत जीवन में घटित घटनाओं का अवलोकन करेंगी, तो पाएंगी कि काफी घटनाएं इन्हीं अंकों के मास, वर्ष या दिन को घटित हुई होंगी।

अपने विगत जीवन में उपर्युक्त सभी अंकों का विश्लेषण करने के बाद जो अंक आपके अधिक अनुकूल जा रहे हों, उन्हीं अंकों के आधार पर भावी योजनाएं बनाना आपके लिए अधिक लाभप्रद रहेगा।

आपके लिए मार्च, मई, जून, सितंबर के माह विशेष घटनाक्रम वाले होंगे तथा आप कोई भी नया कार्य ऐसे ही दिन प्रारंभ करें, जब दिन, तारीख, मास तथा वर्ष आपके मूलांक तथा भाग्यांक से भी मेल स्थापित करें तथा एक ही समय पर सभी शुभ रहें।

इसी प्रकार आपकी अवस्था के ऐसे वर्ष, जिनका योग 3, 5, 6, 9 होता है, आपके लिए शुभ फलदायक रहेंगे।

3 . 12, 21, 30, 39, 48, 57, 66, 75

5 . 14, 23, 32, 41, 50, 59, 68

6 . 15, 24, 33, 42, 51, 60, 69

9 . 18, 27, 36, 45, 54, 63, 72

उपर्युक्त वर्ष आपके जीवन में परिवर्तनकारी रहेंगे। इन वर्षों में कुछ प्रमुख घटनाएं घटित होंगी, जो आपके जीवन की दशा बदलेंगी तथा कुछ घटनाएं यादगार साबित होंगी।

नामांक विचार

संसार में नाम नहीं तो कुछ भी नहीं। मनुष्य का सही नाम ही गगन चुम्बी होता है। सही फलदायी नाम से ही मनुष्य देश-विदेश में प्रसिद्धि पाता है। अतः हमेशा ऐसे नाम का चुनाव करना चाहिए जो आपको समाज में यश, कीर्ति तथा प्रतिष्ठा प्रदान करे और सदियों तक समाज में आदर के साथ याद किया जाए। आपका नाम आपके भाग्य व प्रतिष्ठा को बढ़ाने में कितना साथ दे रहा है निम्न गणना से आप जान सकते हैं एवं नाम को ठीक कर अपने भाग्य की वृद्धि कर सकते हैं।

Vinita

6+1+5+1+4+1

नाम का योग : 18 नामांक : 9

आपके नाम का कुल योग अठारह बनता है। एक एवं आठ के योग से आपका नामांक नौ बनता है। नामांक नौ का स्वामी मंगल है। अंक एक का सूर्य एवं आठ का शनि है। इन तीनों ग्रहों के गुण-अवगुण आपके नाम को प्रभावित करेंगे। साहस भरे कार्यों में आपकी विशेष रुचि रहेगी। आपके स्वभाव में फुर्तीलापन एवं जल्दबाजी रहेगी। रुकावटों को आप सहन नहीं करेंगी। आपको चापलूस एवं खुशामदी लोगों से हानि मिलेगी। अतः ऐसे लोगों से सावधान रहें। सफलता आपको कड़ी मेहनत के बाद प्राप्त होगी। सूर्य शनि के संयुक्त प्रभाववश आपका जीवन विघ्न-बाधाओं, कठिनाइयों को आसानी से पार करेगा। स्वयं की मेहनत एवं लगन द्वारा आपका नाम उच्च शिखर पर पहुँचेगा।

आपके नाम का नामांक 9 है। इसके आपके मूलांक 3 से मित्र संबंध तथा भाग्यांक 5 से सम संबंध होने के कारण आपको अपने जीवन में मूलांक स्वामी के प्रभाव से पूर्ण सफलता प्राप्त होगी। अपनी मेहनत द्वारा आप सामाजिक क्षेत्र में अपनी लोकप्रियता स्थापित करने में सफल रहेंगी। अपने मित्रों, रिश्तेदारों में आप लोकप्रियता प्राप्त करेंगी। जिस क्षेत्र में आप कार्यरत रहेंगी वहाँ के अन्य सहयोगियों का आपको भरपूर सहयोग प्राप्त होगा एवं अपने विभाग में आप लोकप्रियता को प्राप्त करेंगी। आपके जीवन में आपका नाम काफी ऊँचाइयों को प्राप्त करेगा तथा मान-सम्मान आपको समुचित मात्रा में प्राप्त होगा। भाग्यांक के साथ सम संबंध होने से भाग्य का सहारा आपको अधिक प्राप्त नहीं होगा। इस हेतु आप यदि अपने नाम में परिवर्तन के इच्छुक हों तो ऐसे नाम के अक्षरों का चुनाव करें जिसके अंक मूलांक एवं भाग्यांक दोनों से ही अच्छा तालमेल स्थापित कर सकें।

आपका नामांक आपके मूलांक 3 से मिलान करता है लेकिन भाग्यांक 5 से मिलान नहीं हो रहा है। जिसके प्रभाव से भाग्य के क्षेत्र में आपको थोड़ी-बहुत परेशानियाँ आ सकती हैं। आपको अपने नाम को भाग्यांक से भी मिलान करना हितकर रहेगा। आप ऐसे नाम का चुनाव कर सकते हैं जिसका नामांक आपके मूलांक तथा भाग्यांक से मिलान करे एवं उसका नामांक 3 आता हो और 4 न हो तो ऐसा नाम आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा तथा आपकी उन्नति में चार-चांद लगायेगा। नाम परिवर्तन हेतु आपके लिए 6,5,9 अंक अच्छे

Ankijyotish Insights

Hyderabad Telangana India

7995233535

रहेंगे तथा 2,8 अंक ठीक नहीं रहेंगे।

नाम में परिवर्तन करने हेतु अंग्रेजी वर्णाक्षरों को अंकों में परिवर्तन करने की विधि उदाहरण सहित नीचे दी जा रही है। जिसकी सहायता से आप आसानी से नाम परिवर्तन अथवा नाम में वांछित संशोधन कर अपने अनुकूल नामांक बना सकते हैं। नाम परिवर्तन से आप मूलांक तथा भाग्यांक के साथ-साथ अपने नाम को सार्थक कर सकेंगे।

A B C D E F G H I J K L M N O P Q R S T U V W X Y Z

1 2 3 4 5 8 3 5 1 1 2 3 4 5 7 8 1 2 3 4 6 6 6 5 1 7

उदाहरणार्थ:-

एक अंक घटना:-	GANESHA $3+1+5+5+3+5+1=23=5$	GANESH $3+1+5+5+3+5=22=4$
एक अंक :-	RAM $2+1+4=7$	RAMA $2+1+4+1=8$
दो अंक :-	BINDRA $2+1+5+4+2+1=15=6$	BRINDRA $2+2+1+5+4+2+1=17=8$
तीन अंक :-	RAMCHAND $2+1+4+3+5+1+5+4=25=7$	RAMCHANDRA $2+1+4+3+5+1+5+4+2+1=28$
चार अंक :-	KRISHNA $2+2+1+3+5+5+1=19=1$	KRESHNA $2+2+5+3+5+5+1=23=5$
पाँच अंक :-	TEWARI $4+5+6+1+2+1=19=1$	TIWARI $4+1+6+1+2+1=15=6$
छः अंक :-	AGGARWAL $1+3+3+1+2+6+1+3=20=2$	AGARWAL $1+3+1+2+6+1+3=17=8$

लोशु फल

	9 9	2 2
4	9	2
3	5	
3	5	7
8	1 1	
8	1	6

लोशु चार्ट का परिचय

लोशु चार्ट चीनी अंक शास्त्र का एक अहम भाग है। यह चमत्कारी लक्ष्मी यन्त्र पर आधारित है। इस पद्धति के द्वारा हम किसी भी व्यक्ति की सिर्फ जन्मतिथि जानकर ही बड़ी सरलता व शीघ्रता से उसके संपूर्ण व्यक्तित्व को समझ लेते हैं। इस पद्धति के द्वारा हम उस व्यक्ति के चार्ट में अनुपस्थित अंकों के हानिकारक प्रभाव को दूर करने के उपाय भी बता सकते हैं। उपस्थित व अनुपस्थित अंकों की पक्तियां कालम व समूह व्यक्ति के विशेष व्यक्तित्व को बताने में सहायक होते हैं।

अंक 1 - दो बार

आपके लोशु चार्ट में दो बार एक अंक की उपस्थिति होने से आप स्वयं को सुगमता व सहजता से व्यक्त कर पाते हैं, आप जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं, तथा परिस्थितियों का सही अध्ययन कर पाने में सक्षम होते हैं, आप अच्छे साथी, बुद्धिमान एवं आनंदवृति वाले, सुखद एवं अच्छे स्वभाव वाले हैं, दूसरे व्यक्ति के विचारों को भी सुगमतापूर्वक समझ लेते हैं। आप किसी अन्य व्यक्ति की राय को समझने में भी सक्षम हैं। आप महत्वाकांक्षी हैं आपको किसी भी प्रकार का प्रतिबंध पसंद नहीं है। नौकरी हो या व्यवसाय अपनी कड़ी मेहनत की बदौलत आप हमेशा उच्च शिखर पर पहुँचते हो, किसी भी कार्य को करने में आप निपुण हैं आप अपने जीवन को निष्पक्ष तरीके से देखते हैं। नौकरी करते हो या कोई व्यापार, लेकिन आप ऊँचे से ऊँचे पहुँच कर ही रहते हैं। आप अपने लक्ष्य के प्रति सदा सजग रहते हैं क्योंकि आपका लक्ष्य निश्चित

और निर्धारित होता है। निर्णय लेने में भी आप बहुत दक्ष हैं किसी भी विषय पर सोच-समझ कर निर्णय लेना आपका विशेष गुण है। आपका व्यक्तित्व और जीवन सदा स्वतंत्र रहता है, विचारों की मौलिकता आपकी एक विशेषता है। चार्ट में यह 1 के अंक की सर्वोत्तम संख्या मानी जाती है।

अंक 2 - दो बार

आपके लोशु चार्ट में दो अंक दो बार उपस्थित हैं। अतः आप बुद्धिमान, संवेदनशील व अंतर्ज्ञानि हैं, आप अपने अंतर्ज्ञान प्रतिभा का अच्छा उपयोग कर पाने में सक्षम हैं। आप में दूसरे व्यक्तियों के उद्देश्य को जानने की अदभुत क्षमता है एवं उनका प्रयोजन तुरंत जान लेते हैं। आप एक नजर में दूसरों का आंकलन करने में माहिर हैं, अपने जीवन के क्षणों को व्यर्थ नहीं गंवाते, आप समय की कीमत जानते हैं। किसी भी कार्य का आप तुरंत निर्णय कर लेते हैं और आपके निर्णय सही भी होते हैं। आपका सबसे महानतम गुण है कि आप परिस्थिति के अनुसार अपने आप को ढाल लेते हैं, समय और परिस्थिति के अनुसार अपने आपको बना लेने की इनमें अदभुत क्षमता होती है, इसी कारण समाज में हर जगह आपको सम्मान मिलता है, धन की कोई कमी नहीं होती, आप अपनी बुद्धि के बल पर आसानी से धनार्जन कर लेते हैं। आपके जीवन में कोई न कोई सहायक बना रहता है, यदि एक पीछे हट जाता है। तो दूसरा सहायक मिल जाता है, इस प्रकार आपके जीवन में सच्चे सहायकों की कमी नहीं रहती।

अंक 3 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में तीन अंक एक बार उपस्थित है। अतः आपकी स्मरण शक्ति तीव्र तथा मस्तिष्क तीक्ष्ण व विचारोत्पादक होता है, आप व्यावहारिक होते हैं, और अपने लक्ष्य तक पहुंचने में आपका दृष्टिकोण बहुधा आशावादी ही होता है, अपनी सकारात्मक सोच व आशावादी दृष्टिकोण से दूसरों को प्रेरणा देने में भी सक्षम होते हैं। मानसिक और शारीरिक रूप से आप विशेष सुदृढ़ हो, आप बड़े स्वाभिमानी हैं। किसी के आगे झुकना नहीं चाहते, स्वतंत्र प्रकृति के होते हैं, मित्र अधिक होते हैं और उनसे ही लाभ मिलता है। आप उच्च शिक्षा प्राप्त करते हैं, अध्ययनशील तथा पढ़ने लिखने में दक्ष होते हैं, कला, विज्ञान और साहित्य में आपकी रुचि होती है, आपका रचनात्मक दिमाग और उतकृष्ट स्मृति है। आप में से कुछ लोग जमीन से जुड़े होते हैं, आप अपने लक्ष्यों तक पहुंचने के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हो, आप अपनी आशावादिता और ईमानदारी से दूसरों को प्रेरित करने में सक्षम हो। आप जिस कार्य को करने की ठान लेते हैं तो उसे करके ही छोड़ते हैं। साथ ही आप एक अच्छे विचारक, दूरदर्शी, संभावित घटनाओं को भांप लेने वाले होते हैं।

अंक 4 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में चार का अंक अनुपस्थित है। अतः आप पूर्वनिर्धारित योजना के अनुसार कार्य नहीं कर पाते। कई बार आप अपने विचारों में उलझे रहते हैं और दिशाहीन हो जाते हैं। आपमें बहुधा व्यवस्था व प्रेरणा का अभाव होता है, जिसके फलस्वरूप आप तब तक प्रगति नहीं कर पाते जब तक अपने जीवन दर्शन को बदल नहीं देते। आपमें कल्पनाशीलता की कमी होती

है, विचार अधिक दृढ़ एवं स्थाई होते हैं, बदलते नहीं हैं जिससे दूसरों को इनके साथ काम करने में परेशानी महसूस होती है। आपमें दिमाग, बुद्धि और अनुशासन की कमी होती है, आप वक्त की उपयोगिता को नहीं समझ पाते। आप संयोजित नहीं होते, जिस कारण आपको जितनी सफलता मिलनी चाहिए उतनी नहीं मिल पाती। आवश्यकता इस बात की है कि आप सुव्यवस्थित होकर अपने निर्धारित लक्ष्य की ओर बढ़ें, इस अंक की अनुपस्थिति से आप अपने ज्ञान, सम्पर्क, परिवार के सदस्य तथा अपने कर्मचारियों से भी पूरा लाभ नहीं ले पाते। धीरता और सहनशीलता के गुणों के विकास से जीवन आपके लिए आसान बन जाता है।

अंक 5 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में पांच अंक एक बार उपस्थित है। अतः आप भावनात्मक रूप से संतुलित हैं। आप दयालु, दूसरों के प्रति संवेदनशील व सहज प्रकृति के स्वामी हैं, दूसरों को प्रेरणा व प्रोत्साहन प्रदान करने में सक्षम होने के कारण आप संभावित सफलता से भी कुछ अधिक ही प्राप्त कर लेते हैं। आप तेज बुद्धि एवं दिमाग तथा योग्यता के कारण किसी भी काम को सफलतापूर्वक करने में सक्षम हैं। आप सामान्यतः अच्छी जिंदगी जीते हैं, आपको हर वैसे काम में दिलचस्वी होती है, जिसमें नयापन हो, आप अनेक प्रकार के व्यवसायों से धन अर्जित करने वाले, कुशाग्र बुद्धि, गणित विषय में निपूण और आपकी गणना करने की शक्ति तीव्र होती है। आप सभी विषयों को तार्किक दृष्टि से देखते हैं। वाणिज्य और कारोबार में भी आप सफल होते हैं। आप अच्छे वक्ता, संवाद और संचार के क्षेत्र में अद्भुत सफलता प्राप्त करते हैं।

अंक 6 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में 6 का अंक अनुपस्थित है। अतः आप स्वयं में आत्म-समर्पण की भावना उत्पन्न करें, आपमें अपनी अन्तर्भावनाओं को दूसरों से छिपाकर रखने की प्रवृत्ति होती है। इस प्रवृत्ति का कारण होता है, अपने माता अथवा पिता के साथ जीवन के प्रारम्भ में अच्छे सम्बन्ध, फलस्वरूप आपको तब तक अपने संबंधों में अनिश्चतता का सामना करना पड़ता है। जब तक कि आप हृदय से उन्मुक्त व उदार होना नहीं सीख लेते हैं। चिंता और तनाव आप लोगों के लिए विषमताओं के कारण हो सकते हैं। पारिवारिक जीवन में कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, आपको पारिवारिक सहयोग मिलने में परेशानी आती है। आपका भी बच्चों और परिवार के प्रति लगाव कम होता है, आप लोगों की मदद तो करते हैं। लेकिन खुद के लिए मदद नहीं मिलती, दोस्तों की मदद नहीं मिलती, आपको भौतिक तथा पारिवारिक सुख व भोग विलास की कमी रहती है। आप जीवन के सकारात्मक पक्ष की अपेक्षा नकारात्मक पक्ष की ओर अधिक ध्यान देते हैं। आपको कभी भी विदेश से सम्बंधित काम नहीं करना चाहिए।

अंक 7 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में सात का अंक अनुपस्थित है। अतः आपको दूसरे लोगों की भावनाओं के प्रति अविवेक की प्रवृत्ति होती है। आप अपने दैनिक जीवन में अव्यवस्थित होते हैं। आपके कामों व पढ़ाई में रुकावट आती है। यह अंक मध्यम में होने के कारण सभी अंकों का आधार अंक है। आपकी आध्यात्मिक अथवा आत्मज्ञान सम्बन्धी बातों में कोई अभिरुचि नहीं होती।

आत्मविश्वास की कमी के कारण आप एकांकी रहना भी पसंद नहीं करते, अत्यधिक स्वतंत्रता, तर्क तथा सहृदयता की कमी आपको अलोकप्रिय बना सकती है। आर्थिक संकट का सामना भी करना पड़ता है। कई बार खुद की कार्य क्षमता में संदेह होने लगता है, कि क्या यह मैं कर पाउंगा या नहीं। आपको पेट के रोग, सिरदर्द, रक्त विकार व फेफड़े सम्बन्धी रोग की संभावना रहती है। आवश्यकता इस बात की है, कि आप अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त करना व दूसरों के साथ घुलमिल कर रहना सीखें।

अंक 8 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में आठ अंक एक बार उपस्थित है। अतः आप न्यायवर्ती, विधिपूर्वक कार्य करने वाले व विवरण संपादन के लिए उपयुक्त होते हैं, लेकिन यह आश्चर्य की बात है, कि आप हाथ में लिए कार्य पूर्ण नहीं कर पाते। आप चपल बुद्धि के स्वामी होते हैं, और नित्य नए विषम कार्य दूढ़ते है। आपमें एकाग्रता की कमी होती है, और जीवन में बड़ा संघर्ष करना पड़ता है। फिर भी जीवन में अधिक सफल नहीं हो पाते हैं, इसलिए ये एकाकीपन का अनुभव करते हैं। आपमें बाहरी प्रदर्शन नहीं होता, इसलिए समाज आपको कठोर एवं रूखे हृदय का मानता है। आप अपने मर्जी के मालिक होते हैं तथा कई बार असामान्य व्यवहार प्रदर्शित करते हैं। यदि आप सही रूप में शिक्षित तथा आत्मनियंत्रित नहीं होते तो आप जल्दबाजी में काम करते हैं। जिससे बाद में आपको पछताना पड़ता है, आपके कामों में कई बाधाएं भी आती हैं, और कार्य विलम्ब से पुरे होते हैं।

अंक 9 - दो बार

आपके लोशु चार्ट में नौ अंक दो बार उपस्थित है। अतः आप आदर्शवादी, बुद्धिमान परन्तु कभी कभी दूसरों के लिए समस्याजनक होते हैं लेकिन आप अत्यधिक बुद्धिमान होते हैं। अतएव कभी कभी ऐसे लोगों को हेय दृष्टि से देखते हैं जो उन जैसे बुद्धिमान नहीं हैं। आप खास तौर पर उन कार्यों में सफल होते हैं, जहाँ कल्पनाशीलता, कलात्मकता, एवं रचनात्मकता की आवश्यकता होती है। कभी कभी बिना किसी उद्देश्य एवं स्वार्थ के काम करने वाले, यह लोग मानवता की सच्ची सेवा करने वाले होते हैं। आपको अच्छे अवसर प्राप्त होते हैं तथा दूसरों की सहायता आपको प्राकृतिक रूप से मिलती रहती है। जिससे आपका जीवन तो सफल होता ही है, साथ ही यह दूसरों के लिए भी काफी उपयोगी होता है, प्रायः आप घर के बड़ों के प्रभाव में होते हैं, इसलिए यह आवश्यक है कि आप समाज के सब स्तरों के लोगों से सामान मेल-जोल रखें।

संकल्प-शक्ति के अंक - 1. 5 व 9

यह योग इच्छा शक्ति को दर्शाता है, आपके लोशु चार्ट में 1. 5 व 9 अंकों की उपस्थिति है। अतः आपमें अत्यधिक इच्छा शक्ति है। दुराग्रही, अध्यवसायी व इरादे के पक्के हैं, और बहसवाजी में अधिक निपुण हैं। जीवन में कैसे भी हालत रहें आप हार नहीं मानते, आप में हालातों से लड़ने की क्षमता होती है। जिस कारण जीवन में आप ऊंचाइयों को छूते हैं, विभिन्न विषयों पर आप ठोस विचार रखते हैं। यह अंक सफलता का प्रतीक माना जाता है, क्योंकि जब तक आप निःशर्त लक्ष्य तक नहीं पहुँच जाते, दृढ़ता से अपने कार्य में लगे रहते हैं। कभी कठिन समय आ

जाये, और इनके पास कुछ भी न हो और अगर आप इनसे पूछें कि आप कैसे हो तो हमेशा यही जवाब देंगे कि बहुत बढ़िया, यह करोड़ों रुपये भी कमा लें तो इनके पाँव जमीन पर ही रहते हैं। ऐसे व्यक्तियों को मानसिक रूप से हराया नहीं जा सकता, इन्हें जीवन में अच्छी सफलता मिलती है। इनके चेहरे पर तेज होता है, इनकी अच्छी सूझ-बुझ होती है, और बात करने का ढंग भी बढ़िया होता है, दिमागी शक्ति भी अच्छी होती है।

दृढ़ निश्चय के अंक - 2, 5 व 8

आपके लोशु चार्ट में 2, 5 व 8 अंकों की उपस्थिति है। अतः आप धैर्यशील, अध्यवसायी व दृढ़ संकल्प वाले हैं, आप सम्मानित, अप्रतिम, सुसज्जित एवं प्रभावशाली व्यक्ति हैं। आपको अपने क्षेत्र में नेतृत्व के अवसर प्राप्त होते हैं। आप उचित समय की ताक में रहते हैं, और निणर्यात्मक तरीके से सक्रिय होते हैं, आप स्वतंत्र प्रिय होते हैं। लक्ष्य को कभी भी नजरअंदाज नहीं करते, आपकी इच्छाशक्ति (पससचवूमत) ही आपको मुसीबतों से लड़ने में मदद करती है। इस शक्ति के अंतर्गत दृढ़ निश्चय, आत्मविश्वास, कार्य करने की अनवरत चेष्टा और अध्यवसाय आदि गुण आ जाते हैं। यह शक्ति आपके मुखमंडल पर अपूर्व तेज उत्पन्न करती है और आंखों में सम्मोहन का जादू लाती है। संकल्प-शक्ति को दृढ़ बनाकर आप अपनी सोच के अनुसार चीजों को पा लेते हैं। दृढ़निश्चय और बौद्धिक संतुलन आपकी दो अमोघ शक्तियां हैं जिनके बल पर विकट-से-विकट परिस्थिति का भी आप आसानी से सामना कर जाते हैं।

जल तत्त्व - अंक 1

आपके लोशु चार्ट में जल तत्त्व की उपस्थिति है। जल बुद्धि और ज्ञान का प्रतिनिधित्व करता है, जल लचीला है फिर भी मजबूत है, अभी भी बह रहा है। 1, अंक सूर्य से सम्बंधित है, जल शांत है फिर भी खतरनाक है। जल के लिए सतह केवल शुरुआत है, इसकी गहराई में छिपे वास्तविक चाल के साथ, जल तत्त्व वाले वे नहीं हैं, हालांकि आप अपनी खुद की कंपनी और आंतरिक प्रतिबिम्ब के लिए समय का आनंद लेते हैं। आप अक्षर शांत और शांति पूर्ण होते हैं, लेकिन दूसरों को अभिभूत करने की एक बड़ी क्षमता होती है, आप निडर, साहसी व स्वाभिमानी भी होते हैं। नौकरी हो या व्यवसाय अपनी कड़ी मेहनत की बदौलत आप हमेशा उच्च शिखर पर पहुँचते हो, किसी भी कार्य को करने में आप निपुण हैं आप अपने जीवन को निष्पक्ष तरीके से देखते हैं।

खूबियां- आप राजनैतिक कार्यों में कुशल, परिवार, समाज, राष्ट्र आदि सभी का नेतृत्व करने की आप क्षमता होती है। तेज नजर, सहानुभूति और अच्छे मध्यस्थ, दृढ़, सहज और लचीला, कोमल लेकिन मजबूत, और आप दूरदर्शिता के गुणों से युक्त होते हैं।

कमजोरियां - स्व कृपालु, बहुत निष्क्रिय, दूसरों पर बहुत ज्यादा भरोसा करना, दुविधा में पड़े रहना, चिंतित रहना आदि अवगुण होते हैं।

पृथ्वी तत्त्व - अंक 2, 5, 8

आपके लोशु चार्ट में पृथ्वी तत्त्व की उपस्थिति है। पृथ्वी स्थिर और मध्यस्थ होती है। यह एक प्राकृतिक जन्म शांति रक्षक होता है। पृथ्वी धैर्यवान, विचारशील और शांत होती है। जबकि पृथ्वी

गर्म और पोषित होती है, यह आसानी से स्व-केंद्रित भी हो सकती है क्योंकि यह मानती है कि यह सब कुछ का केंद्र है। पृथ्वी सुरक्षात्मक है और वे उन जड़ों का प्रतिनिधित्व करती हैं। जो सब कुछ एक साथ रखती हैं, हालांकि, यह भी नियंत्रित हो सकती है। इस तत्व के लोग सहानुभूति की एक बड़ी मात्रा में होते हैं और खुद को लगातार दूसरों की खुशी के बारे में चिंतित पाते हैं। 2 अंक चन्द्रमा का है, 5 अंक बुध का और 8 अंक शनि से सम्बंधित है, ऐसे व्यक्ति धनाढ्य होते हैं, इनका अपना जमीन से जुड़ा हुआ मकान होता है।

खूबियां - ऐसे लोग स्थिर प्रवृत्ति के, गंभीर, व्यावहारिक, तार्किक, अनुकंपा, देखभाल, सहानुभूति, उत्तरदायी, वफादार होते हैं और ईमानदार, पोषण, संगठित व योजना बनाने में अच्छे, मजबूत और स्थायी होते हैं।

कमजोरियां - अतिसंरक्षित, जिद्दी, जन्मजात कंजूस, रुढ़िवादी, जोखिम लेने में परेशानी होती है।

काष्ठ तत्व - अंक 3, 4

आपके लोथु चार्ट में काष्ठ तत्व की उपस्थिति है। काष्ठ उदार और विशाल होती है और दूसरों की गहराई से देखभाल करती है। बांस के साथ, काष्ठमजबूत होती है। फिर भी लचीली होती है और एक प्राकृतिक जन्म से नेता भी है। इसकी जड़ें पृथ्वी में गहरी खुदाई करती हैं, हालांकि, काष्ठ को जीवित रहने के लिए नमी की भी आवश्यकता होती है। काष्ठ की विशेषताएं अक्सर कामुकता और धैर्य से जुड़ी होती हैं। हालांकि, इसे संतुलित करने के लिए, काष्ठ घुसपैठ और आक्रामक भी हो सकता है। 3, अंक गुरु से और 4 अंक राहु से सम्बंधित है। ऐसे व्यक्ति लगातार विस्तार और आगे बढ़ने की तलाश में होते हैं। जटिल से जटिल कार्य को करने में सक्षम होते हैं। अपने काम को आसानी से निकाल लेते हैं।

खूबियां- यह काफी चतुर होते हैं, इनमें अच्छी समझ, गर्म, मिलनसार, दयालु, लचीला और अनुकूलनीय, स्थिर और व्यावहारिक, उदार होते हैं।

कमजोरियां - सीमाओं या सीमाओं की अच्छी समझ नहीं है, बहुत ज्यादा निष्क्रिय हो जाते हैं, दूसरों पर बहुत अधिक भरोसा कर लेते हैं।

धातु तत्व अंक - 6, 7 की अनुपस्थिति

आपके लोथु चार्ट में धातु तत्व की अनुपस्थिति है। अतः आप न तो किसी के अनुचित दबाव में रह सकते हैं और न कोई इनके विचारों पर हावी हो सकता है। आप स्वतंत्र निर्णय लेने वाले होते हैं। अनेक योजनाएं बनाते हैं। लेकिन उनको कार्यरूप नहीं दे पाते। विद्या प्राप्ति में भी कई बाधाएं आती हैं। सम्पत्ति एवं धन झगड़ों का सामना करना पड़ता है। आपमें ईर्ष्या की भावना दूसरों की अपेक्षा अधिक होती है। इनका झुकाव 2, 3, 4, 6, 9, अंक के स्त्री- पुरुषों की और अधिक होता है। इसमें 6, अंक शुक्र और 7, अंक केतु से सम्बंधित है। ये दोनों अंक धातु तत्व को दर्शाते हैं। इन दोनों अंकों की अनुपस्थिति सुखों में कमी लाने वाली है।

अग्नि तत्त्व - अंक 9

आपके लोशु चार्ट में अग्नि तत्त्व की उपस्थिति है। आग हमेशा ऊपर की ओर निर्देशित होती है और इसकी ऊर्जा कभी समाप्त नहीं होती है। यह लगातार और मजबूत है, हालांकि, यह फैलता भी है और आसानी से भटकता भी है। तत्व के रूप में आग के साथ रोमांचकारी साधक होते हैं, जो एक साहसिक क्षण से अगले तक घूमते हैं। आग अक्सर गर्मी, जुनून और बनाने की आवश्यकता से जुड़ी होती है। हालांकि, रिवर्स साइड पर, यह आक्रामकता, अधीरता और विनाश से भी संबंधित हो सकती है। जबकि आग गर्मी और गर्मी प्रदान कर सकती है, यह जल भी सकती है। आग अपने आप नहीं हो सकती। हालांकि यह उज्ज्वल और रोमांचक है। इसे संपन्न करने के लिए लकड़ी की स्थिरता की आवश्यकता है। 9 अंक मंगल से सम्बंधित है, इनका शरीर सुगठित, इनकी इच्छा शक्ति स्ट्रॉंग होती है, ये बहादुर, साहसी और पूरी शक्ति के साथ कार्य करने वाले होते हैं, इनमे निर्णय लेने की क्षमता अच्छी होती है।

खूबियां- आप भावुक और उत्साही, रचनात्मक, अनुशीलन और करिश्माई, सहज और साहसी, हमेशा चुनौती को स्वीकार करने वाले, गर्मजोशी और दृढ़ संकल्प शक्ति वाले होते हैं।

कमजोरियां - ध्यान की लालसा, रोगी, जोड़ तोड़ करने वाले, झगड़ालू प्रवृत्ति के, मिजाज के अनुकूल, आक्रामक, आवेगी और अस्थिर, अकेले रहने वाले होते हैं।

अंक ज्योतिष उपाय विचार

अनुकूल समय

सूर्य 21 नवंबर से 20 दिसंबर तक धनु राशि में एवं 19 फरवरी से 20 मार्च तक मीन राशि में तथा 21 जून से 20 जुलाई तक कर्क राशि में पाश्चात्य मत से रहता है। भारतीय मत से यह 15 दिसंबर से 13 जनवरी तक धनु में एवं 14 मार्च से 12 अप्रैल तक मीन राशि में तथा 16 जुलाई से 16 अगस्त तक कर्क राशि में रहता है। धनु एवं मीन राशियां गुरु का स्वस्थान अथवा अपना घर है। कर्क राशि गुरु का उच्च स्थान है। अतः उपर्युक्त समय में मूलांक तीन प्रभावियों के लिए सबसे अधिक प्रभावकारी एवं लाभप्रद समय रहता है। इस काल में कोई भी नया कार्य, महत्वपूर्ण कार्य इत्यादि करना आपके लिए विशेष योगकारक रहेगा।

अनुकूल दिवस

गुरुवार, शुक्रवार, मंगलवार के दिन आपके लिए विशेष शुभ फलदायक रहेंगे। यदि आपकी अनुकूल तारीखों में से ही किसी तारीख को गुरुवार, शुक्रवार, मंगलवार पड़ रहा हो तो ऐसा दिन आपके लिए अधिक अनुकूल तथा श्रेष्ठ फलदायक होगा।

शुभ तारीखें

किसी भी अंग्रेजी माह की 3, 6, 9, 12, 15, 18, 21, 24, 27 एवं 30 तारीखें किसी भी नये कार्य को प्रारंभ करने, महत्वपूर्ण या विशिष्ट व्यक्तियों से मिलने, पत्र इत्यादि लिखने हेतु शुभ रहेंगी। अतः यदि आप उपर्युक्त तारीखों में कोई भी महत्वपूर्ण कार्य करती हैं तो शीघ्र सफलता मिलेगी।

अशुभ तारीखें

आपको किसी भी अंग्रेजी माह की 4, 8, 13, 17, 22, 26 एवं 31 तारीखें प्रतिकूल हो सकती हैं। अतः कोई भी नया कार्य, महत्वपूर्ण कार्य, उपर्युक्त तारीखों में संपन्न करना आपके लिए अहितकर रहेगा।

मित्रता या साझेदारी

आप ऐसे व्यक्तियों से मित्रता या साझेदारी स्थापित करें, जिनका जन्म 3, 6, 9, 12, 15, 18, 21, 24, 27 एवं 30 तारीखों में, अथवा 15 दिसंबर से 13 जनवरी, 13 मार्च से 13 अप्रैल एवं 16 जुलाई से 16 अगस्त के बीच हुआ हो। ऐसे व्यक्ति आपके लिए अनुकूल सहयोगी तथा विश्वासपात्र सिद्ध होंगे। इस प्रकार के व्यक्तियों से आपकी मित्रता स्थायी एवं दीर्घ रहेगी तथा वे रोजगार, व्यवसाय, साझेदारी आदि में सहायक रहेंगे।

प्रेम संबंध एवं विवाह

आपको विवाह या प्रेम संबंध स्थापित करते समय यह देखना लाभप्रद रहेगा कि उस महिला का मूलांक 3,6 या 9 हो अथवा ऐसी महिला का जन्म किसी भी अंग्रेजी मास की

3, 6, 9, 12, 15, 18, 21, 24, 27 या 30 तारीख को हुआ हो। इन दिनांकों में जन्मी स्त्रियां आपके लिए विशेष फलदायी और अच्छा साथ निभाने वाली रहेंगी।

अनुकूल रंग

आपके लिए अनुकूल रंग हल्का गुलाबी, चमकीला गुलाबी है। गुलाबी भी पूरा गुलाबी नहीं, बल्कि हल्का गुलाबी होना चाहिए। अतः आप ड्रॉइंग रूम के पर्दे, चादर, तकिये, बिछावन आदि इसी रंग के लें। हो सके तो इस रंग का रुमाल तो हर समय रखें। स्वास्थ्य की क्षीणता के समय भी आप हो सके तो इसी रंग के वस्त्र पहनें, जिससे आपका स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

वास्तु एवं निवास

आपके लिए ऐसे मकान में रहना शुभ रहेगा जिसका मूलांक या नामांक 3 हो। ईशान कोण दिशा आपके लिए हमेशा शुभ रहेगी। अतः आप शहर की ईशान कोण दिशा में अपना निवास बना सकते हैं। इस दिशा में रोजगार-व्यापार संबंधी कार्य करना शुभ रहेगा। पहनने के वस्त्रों का चुनाव करते समय भूरा, पीला, सुनहरी रंगों के होने से आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा और यदि आप दीवारें, पर्दे, फर्नीचर का रंग भी ऐसा ही रखें तो आपके पारिवारिक वातावरण में खुशहाली आएगी।

शुभ वाहन नं

अगर आप यात्रा के दौरान कमरा इत्यादि बुक करवाते हैं, तो आपको चाहिए की कमरे का नंबर आपके मूलांक या मूलांक के मित्र अंक से मेल करने वाले अंकों का रहे। आपका मूलांक 3 है। मूलांक के मित्र अंक 6, 9 रहेंगे। आपके कमरे का नंबर 102= 3 इत्यादि होना चाहिए और यदि आप वाहन आदि का पंजीकरण इत्यादि करवाते हैं, तब उसके लिए भी शुभ अंक 5232 =3 रहेंगे। आपके लिए यही अंक यात्रा के वाहन के रहेंगे, तो आपकी यात्रा सुखमय कहलाएगी।

स्वास्थ्य तथा रोग

जब भी आपके जीवन में रोग की स्थिति आएगी तब आपको चर्म रोग, दाद, खाज, खुजली, प्रमेह, ज़हरवाद, पित्त प्रकोप, शूल रोग, स्नायु निर्बलता, मानसिक उद्वेग, गुप्तेंद्रिय शैथिल्य, भोग के प्रति अरुचि, रक्त दोष जैसे रोग होंगे। रोग अशुभता कष्ट और विपत्ति के समय आपको विष्णु उपासना, पूर्णिमा व्रत, सत्यनारायण व्रत कथा श्रवण करना चाहिए।

व्यवसाय

वस्त्र उद्योग, ढाबे, रेस्टोरेंट, होटल, पान की दुकान, अध्यापन, उपदेशक, व्याख्याता, प्राध्यापक, राजदूत, मंत्री, कानून के सलाहकार, वकील, न्यायाधीश, सचिव, दूत कार्य, क्लर्क, चिकित्सा कार्य, बैंकिंग के कार्य, दलाल, आदत, विज्ञापनकर्ता, अभिनेता, सेल्समैन, टाइपिस्ट, स्टेनो, जल जहाज में कार्यकर्ता, पुलिस विभाग, दर्शनशास्त्री, प्रबंधक एवं जलीय व्यापार।

व्रतोपवास

बृहस्पतिवार को बृहस्पति अरिष्ट दोष निवारण हेतु व्रत करें। बृहस्पतिवार को पीले वस्त्र धारण कर व्रत करें। पीला भोजन ग्रहण करें एवं पीले पदार्थों का दान करें। यह व्रत तीन वर्ष, एक वर्ष या सोलह बृहस्पतिवारों को करें। यथाशक्ति पुत्रजीवी की माला पर गुरु मंत्र का जप करें।

अनुकूल रत्न या उपरत्न

पुखराज आपके लिए मुख्य रत्न है। यदि पुखराज न मिले तब आप सुनेला, टाईगर आई, पीला हकीक धारण कर सकते हैं। इसे आप सोने की अंगूठी में चार से पांच रत्ती का बनवा कर दायें हाथ की तर्जनी उंगली को स्पर्श करता हुआ धारण करें।

अनुकूल देवता

आप बृहस्पति ग्रह की उपासना करें अथवा विष्णु भगवान की आराधना करें। भगवान विष्णु के द्वादशाक्षरी मंत्र "ओम् नमो भगवते वासुदेवाय" का नित्य जप करें। प्रतिदिन कम से कम एक सौ आठ मंत्र का जप करें तथा पूर्णमासी के दिन सत्यनारायण कथा का श्रवण करेंगे तो इस क्रिया को करने पर आप विभिन्न रोगों और समस्याओं से मुक्त होंगे। यदि यह संभव न हो सके तो भगवान विष्णु के चित्र का ही नित्य प्रातः दर्शन कर लिया करें।

ग्रह गायत्री मंत्र

आपके लिए गुरु के शुभ प्रभावों की वृद्धि हेतु गुरु के गायत्री मंत्र का प्रातः स्नान के बाद ग्यारह, इक्कीस या एक सौ आठ बार जप करना लाभप्रद रहेगा।

गुरु गायत्री मंत्र - ॐ अंगिरसाय विद्महे दिव्यदेहाय धीमहि तन्नो जीवः प्रचोदयात् ॥

ग्रह ध्यान मंत्र

प्रातःकाल उठ कर आप गुरु का ध्यान करें, मन में गुरु की मूर्ति प्रतिष्ठित करें और तत्पश्चात् निम्न मंत्र का पाठ करें।

देवानां च ऋषीणां च गुरुं कांचनसन्निभम् ।
बुद्धिभूतं त्रिलोकेशं तं नमामि बृहस्पतिम् ॥

ग्रह जप मंत्र

अशुभ गुरु को अनुकूल बनाने हेतु गुरु के मंत्र का जप करना चाहिए। नित्य कम से कम एक माला एक सौ आठ जप करने से वांछित लाभ मिल जाते हैं। पूरा अनुष्ठान एक सौ आठ माला का है। मंत्र जप का प्रत्यक्ष फल स्वयं देख सकेंगे।

ॐ ग्राँ ग्रीँ ग्रीँ सः गुरवे नमः ॥ जप संख्या 10000 ॥

वनस्पति धारण

आप गुरुवार के दिन एक इंच लंबी नारंगी या केले की जड़ ला कर, पीले धागे में लपेट कर, दाहिने हाथ में बांधे या स्वर्ण या पीतल के ताबीज में भर कर गले में धारण करें। इससे गुरु ग्रह के अशुभ प्रभाव कम होंगे तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

वनस्पति स्नान

आपके लिए प्रत्येक गुरुवार को एक बाल्टी या बर्तन में मुलेठी, सफेद सरसों तथा मालती के फूल आदि औषधियों का चूर्ण कर पानी में डाल कर स्नान करना सभी प्रकार के रोगों से मुक्तिदायक रहेगा। हर्बल स्नान से आपकी त्वचा की कांति में वृद्धि होगी। अशुभ गुरु के प्रभाव क्षीण हो कर आपके तेज एवं प्रभाव में वांछित लाभ प्राप्त होगा। सभी ग्रहों की शांति के लिए आप कूठ, खिल्ला, कांगनी, सरसों, देवदारु, हल्दी, सर्वौषधि तथा लोध इन सबको मिला कर, चूर्ण कर, किसी तीर्थ के पानी में मिला कर भगवान का स्मरण करते हुए स्नान करें तो ग्रहों की शांति और सुख-समृद्धि प्राप्त होगी।

दान पदार्थ

गुरु की शांति के लिए योग्य व्यक्ति को गुरु के पदार्थ, पीला वस्त्र, सोना, हल्दी, घृत, पीले पुष्प, पीला अन्न, पुखराज, अश्व, पुस्तक, मधु, लवण, शर्करा, भूमि, छत्र आदि का दान करना लाभप्रद रहेगा।

यंत्र

गुरु को अनुकूल बनाये रखने हेतु गुरु यंत्र को भोज पत्र पर अष्ट गंध (केशर, कपूर, अगर, तगर, कस्तूरी, अंबर, गोरोचन एवं रक्त चंदन या श्वेत चंदन) स्याही से लिख कर सोने या तांबे के ताबीज में, धूप-दीप से पूजन कर, सोने की जंजीर या पीले धागे में गुरुवार को शुक्ल पक्ष में प्रातःकाल धारण करें।